COVID 19 (2019-2020) की प्रतिक्रिया में पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया का कार्य

1. फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म के लिए **COVID-19 के अनुरूप कंटेंट रणनीति, मैसेजिंग और सामग्री (क्रिएटिव्स) बनाने के लिए** पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, फेसबुक के सहयोग से, भारत सरकार के MyGov पेज का **कंटेंट साझेदार** है। इस साझेदारी में शामिल हैं:

   क. COVID-19 पर सामग्री विकसित करना, समाकलन, प्रमाणीकरण करना और संदेश रणनीति विकसित करना

   ख. शोध और प्रमाणिक सामग्री के सत्यापन के लिए एक प्रणाली का गठन करना और यह सुनिश्चित करने के लिए कि चिकित्सा/तकनीकी संदेश सटीक हैं, एक तकनीकी सलाहकार समूह का उपयोग करना।

   ग. प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध कराई गई जानकारी अपडेटेड है, यह सुनिश्चित करने के लिए दैनिक आधार पर COVID-19 के बारे में मीडिया रिपोर्टों और डेटा पर नज़र रखने के लिए टूल का प्रयोग करना।

   घ. अधिक प्रभावी संचार के लिए सेंटिमेंट एनालिसिस और फेसबुक एनालिटिक्स की समीक्षा, गलत पोस्ट से और गलत सूचना से निपटने के लिए, करना।

   ङ. यह सुनिश्चित करना कि रोचक और सूचनात्मक सामग्री अंग्रेजी, हिंदी और 8 क्षेत्रीय भाषाओं में बनाई जाए, ताकि लोगों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और टूल का उपयोग करके नियमित आधार पर **अपडेटेड , विश्वसनीय और सत्यापित सामग्री** प्रदान की जा सके।

   च. MyGov पहल के भाग के रूप में, पीएफआई (पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया) ने संबंधित राज्य सरकारों के अनुरोध पर, केरल, उत्तराखंड, ओडिशा झारखंड राज्यों द्वारा COVID-19 से निपटने में किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए लघु फिल्में बनाई हैं।

2. पीएफआई ने COVID-19 में अग्रणी महिला स्वास्थ्य कर्मियों पर एक लघु फिल्म की अवधारणा बनाई और उसका निर्माण किया। यह वीडियो भारत सरकार के MyGov फेसबुक पेज पर भी प्रकाशित किया गया और **24 घंटों के अंदर, 46 लाख** से अधिक बार देखे जाने के साथ, शीर्ष प्रदर्शन वाली पोस्ट में से एक बन गई। *फिल्म का लिंक:* हिंदी वर्जन, अंग्रेजी वर्जन

3. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के अंतर्गत कलंक और भेदभाव अभियान के मौजूदा जनादेश के तहत, स्वास्थ्य कर्मियों और COVID-19 रोगियों के खिलाफ कलंक के मुद्दे पर संवेदनशील और उचित तरीके से चर्चा करने के लिए, पीएफआई ने हास्य और मनोरंजन शिक्षा प्रारूप का प्रयोग करके, प्रसिद्ध थिएटर और फिल्म निर्देशक फिरोज अब्बास खान के सहयोग से लघु एनीमेशन फिल्में (90 सेकंड या उससे कम) बनाई। हास्य कवि पोटलीवाला एक लघु एनीमेशन फिल्म है जिसमें एक कवि को दिखाया गया है, जो COVID-19 रोगियों के खिलाफ कलंक पर चर्चा करते हुए एक छोटी "कविता" का पाठ करता है।

4. पीएफआई ने श्री फिरोज अब्बास खान के सहयोग से **कोरोना की अदालत एनिमेशन श्रृंखला** की कल्पना की, जिसमें प्रमुख संदेशों को प्रसारित करने, गलत सूचनाओं से निपटने और COVID-19 के खिलाफ लड़ाई के लिए एकजुटता की भावना को मजबूत करने के लिए कोर्ट रूम ड्रामा की परिचित सेटिंग का

Delhi
B-28, Qutab Institutional Area
PIN – 110016
T: +91-11-43894100

Jaipur
C-9, Shiv Marg, Shyam Nagar
PIN – 302019
T: +91-141-4104771

Lucknow
C-3, Nirala Nagar
PIN – 226020
T: +91-522-4005091

Patna
123 A, Patliputra Colony
PIN – 800013
T: +91-612-2270634

प्रयोग किया गया है। पांच एपिसोड की श्रृंखला का उद्देश्य कलंक और भेदभाव, व्यक्तिगत सुरक्षा, शारीरिक दूरी और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को संबोधित करना है। श्रृंखला की पहली 1.5 मिनट की फिल्म, स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ कलंक और भेदभाव के मुद्दे को मनोरंजक और प्रभावशाली तरीके से संबोधित करती है। पहली फिल्म का लिंक: https://youtu.be/l3nbH2i-_l4

5. **राज्य सरकारों और गैर सरकारी संगठनों के साथ भागीदारी।** यह सुनिश्चित करने के लिए कि बनाई जा रही सामग्री को यथासंभव व्यापक रूप से साझा किया जा रहा है, पीएफआई सीधे राज्य सरकारों, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (**MoHFW**) और नागरिक समाज संगठनों के साथ, उनके प्रयोग के लिए, हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में सामग्री साझा करने के लिए काम कर रहा है। फेसबुक के साथ साझेदारी के तहत विकसित की जा रही सभी सामग्री का अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, उनको गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से व्यापक रूप से प्रसारित किया जाता है।

   क. लगभग 150 जिलों में हमारी सामग्री का प्रसार करने के लिए हमारी टीमें मिशन निदेशकों, राज्य नोडल अधिकारियों, सामुदायिक कार्यविधियों और 37 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आईईसी (IEC) (सूचना, शिक्षा और संचार) के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

   ख. हमने नागरिक समाज संगठनों के साथ-साथ, एआरसी (एडवोकेटिंग रिप्रोडक्टिव चॉइस) - जिसमें 167 सदस्य हैं - सहित, विभिन्न नेटवर्क और गठबंधनों के साथ संचार सामग्री साझा की । हमें कई संगठनों से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं, जिन्होंने हमें अधिक से अधिक सामग्री साझा करने के लिए कहा ताकि वे उन्हें अपने भागीदारों और नेटवर्क के बीच प्रसारित कर सकें।

   ग. राज्य स्वास्थ्य सोसाइटी बिहार (एसएचएसबी) (SHSB) के अनुरोध पर, पीएफआई ने COVID-19 के प्रसार के बारे में जिला स्तर के आंकड़ों के विश्लेषण पर काम करने के लिए अपने राज्य निगरानी और मूल्यांकन अधिकारी को नियुक्त किया।

6. आशा और ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता और पोषण समितियों (वीएचएसएनसी) (VHNC) और महिला आरोग्य समितियों (एमएएस) (MAS) की पहलों और पीएफआई स्वास्थ्य विभागों की COVID-19 प्रतिक्रिया को ट्रैक करने के लिए **राज्य और जिला नोडल अधिकारियों से प्रतिक्रिया और इनपुट** एकत्रित कर रहा है। पीएफआई सेवा प्रदाताओं और समुदायों के सामने आने वाले गंभीर मुद्दों और चुनौतियों पर स्वास्थ्य विभाग की प्रतिक्रियाओं पर भी नज़र रख रहा है।

7. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के आग्रह पर, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता और पोषण समितियों (VHSNC), महिला आरोग्य समितियों (MAS), रोगी कल्याण समितियों (RKS) और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (RWA) के लिए, COVID 19 प्रतिक्रिया और राहत पर मार्गदर्शन नोट्स का एक सेट बनाया गया है। राज्य एवं जिलों के नोडल अधिकारी इन संसाधन सामग्रियों का प्रयोग फील्ड स्तर पर करेंगे।

Delhi
B-28, Qutab Institutional Area
PIN – 110016
T: +91-11-43894100

Jaipur
C-9, Shiv Marg, Shyam Nagar
PIN – 302019
T: +91-141-4104771

Lucknow
C-3, Nirala Nagar
PIN – 226020
T: +91-522-4005091

Patna
123 A, Patliputra Colony
PIN – 800013
T: +91-612-2270634

8. उत्तराखंड राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) (NHM) टीम के अनुरोध पर, टैक्सी चालकों, रेस्तरां/होटलों और सुरक्षा कर्मचारियों के लिए, COVID-19 के मानकों और सावधानियों के लिए दिशानिर्देश और आईईसी (IEC) (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री तैयार की गई है।

9. **कोविड-19 के लिए संसाधनों को प्राथमिकता** दिलाने के लिए, विशेष रूप से सामुदायिक कार्रवाई के लिए, पीएफआई राज्य सरकारों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) में संशोधन करने में मदद कर रहा है।

10. **नियमित डेटा विश्लेषण** के साथ-साथ COVID-19 पर **संचार सामग्री** तैयार करने में पीएफआई बिहार सरकार की राज्य स्वास्थ्य सोसायटी बिहार (SHSB) का सहयोग कर रहा है।

11. खंड नियंत्रण कक्ष के प्रबंधन में सहायता प्रदान करने के लिए व्यक्तिगत मामलों में और तत्काल सहायता की आवश्यकता वाले परिवारों का फॉलो अप करने के लिए, सामुदायिक रसोई के कामकाज की निगरानी करने के लिए, ताकि जरूरतमंदों को नियमित रूप से भोजन मिले और दरभंगा और नवादा जिलों में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता और पोषण समितियों (VHSNCs) के साथ संपर्क और नियमित सहायता प्रदान करने के लिए, बिहार में हमारे फील्ड पार्टनर **जिला अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं**।

12. पीएफआई ने **परिवार नियोजन में कंडोम के उपयोग** को बढ़ावा देने के लिए **लघु सूचनात्मक वीडियो क्लिप्स भी तैयार और प्रसारित** की हैं। उनमें से कुछ : खेल खेल में, सत्या की अदालत (कंडोम बाबा), कंडोम बाबा का ढाबा, कंडोम रैप हैं: ये क्लिप गर्भनिरोधक और रोग सुरक्षा, दोनों के लिए, दोहरी रणनीति के रूप में कंडोम के उपयोग को बढ़ावा देंगी।

13. पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया **"Parliamentarians with Innovators for India" ("भारत के लिए नवोन्मेषकों के साथ संसद सदस्य")** नामक पहल में **तकनीकी भागीदार** है। इसका उद्देश्य जन स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, आजीविका और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों की चुनौतियों के लिए, COVID-19 के लिए ठोस और मापनीय समाधान का निर्माण करने के लिए, भारत भर से सक्षम टीमों को जुटाना है। समूह में 14 सांसद, उद्यम पूंजी कोष (Venture capital funds) के भागीदार, स्वास्थ्य और सार्वजनिक नीति पर काम करने वाले संगठन और विशेषज्ञ शामिल हैं।

14. COVID-19 संकट के दौरान फील्ड और क्वारंटाइन केंद्रों में गरीब और अधिकारहीन समुदायों की तत्काल जरूरतों (पका हुआ भोजन, राशन, मास्क और स्वच्छता आपूर्ति) को पूरा करने में सक्रिय संगठनों को पीएफआई **बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और झारखंड में छोटे अनुदान** दे रहा है।

15. एक समेकित दृष्टिकोण की पहचान करने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि सूचना और सेवाएं ग्राहकों तक पहुंच रही है, पीएफआई प्रजनन स्वास्थ्य और परिवार नियोजन पर काम कर रहे सामाजिक विपणन संगठनों (एसएमओ) सहित, नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के साथ संयोजन और समन्वय स्थापित कर रहा है।

Delhi
B-28, Qutab Institutional Area
PIN – 110016
T: +91-11-43894100

Jaipur
C-9, Shiv Marg, Shyam Nagar
PIN – 302019
T: +91-141-4104771

Lucknow
C-3, Nirala Nagar
PIN – 226020
T: +91-522-4005091

Patna
123 A, Patliputra Colony
PIN – 800013
T: +91-612-2270634

16. **भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के दिशानिर्देशों में परिवार नियोजन को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के रूप में शामिल करवाने** के लिए पीएफआई, अपने एनजीओ (NGO) भागीदारों के साथ-साथ भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ रणनीतिक रूप से जुड़ा हुआ है।

17. **साक्ष्य बनाना**

- PFI ने COVID-19 के प्रभाव पर साक्ष्य जुटाने के प्रयास किए हैं। पीएफआई ने जन स्वास्थ्य सुविधाओं और पहुंच और अग्रणी कार्यकर्ताओं के काम में सेवाओं और वस्तुओं की उपलब्धता पर COVID-19 के प्रभाव का आकलन करने के लिए पांच राज्यों (यूपी, बिहार, झारखंड, राजस्थान और ओडिशा) में एक अध्ययन शुरू किया।

- COVID-19 के संबंध में जानकारी, दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली के स्तर और यह उन्हें कैसे प्रभावित कर रहा है, को समझने के लिए पीएफआई ने तीन राज्यों (राजस्थान, यूपी और बिहार) में किशोरों और युवाओं के साथ एक *टेलीफोनिक रैपिड असेसमेंट* किया।

- COVID-19 के प्रभाव का आकलन करने के लिए हमारे सहयोगी संगठनों के दो अध्ययनों के साथ-साथ, ऊपर वर्णित दो अध्ययनों के निष्कर्षों को 11 अगस्त 2020, विश्व युवा दिवस की पूर्व संध्या पर, पीएफआई द्वारा आयोजित एक वेबिनार में प्रसारित किया गया।

18. परिवार नियोजन सेवाओं को फिर से शुरू करने की स्थिति और चुनौतियों को समझने के लिए बिहार के 27 जिलों में *एडवोकेटिंग रिप्रोडक्टिव हेल्थ चॉइस* गठबंधन, जिसमें पीएफआई सचिवालय है, के द्वारा फील्ड सर्वेक्षण किया गया था। फील्ड स्तर पर सेवा वितरण को मजबूत करने के लिए स्टेटस एवं अनुशंसाओं पर एक पत्र, राज्य स्वास्थ्य सोसायटी बिहार (एसएचएसबी) के कार्यकारी निदेशक को भेजा गया ।

19. COVID-19 के प्रभाव और जन स्वास्थ्य प्रणाली के बाद की प्रतिक्रिया पर सूचित जानकारी सुनिश्चित करने के लिए, साक्षात्कारों के साथ-साथ संपादकीय राय के माध्यम से **पीएफआई लगातार मीडिया से जुड़ा रहा है।** कुछ लेखों के लिंक नीचे साझा किए गए हैं:

<u>डिजिटल प्रकाशनों में COVID-19 पर लेख</u>:

1. *Coronavirus in India: Mitigating the health effects of COVID-19 beyond the immediate* (Think Global Health Platform of the Council on Foreign Relations (CFR)
2. *4 Steps Govt Can Take to Protect the Poor During COVID-19 Lockdown* The Quint
3. *Turning Covid-19 crisis into a permanent good* ET Health World
4. *COVID-19 and Reproductive Rights of Girls and Women* Amnesty International Blog
5. *World Health Day: Ensuring Reproductive Rights of Women in the COVID-19 Era* The Wire

Delhi
B-28, Qutab Institutional Area
PIN – 110016
T: +91-11-43894100

Jaipur
C-9, Shiv Marg, Shyam Nagar
PIN – 302019
T: +91-141-4104771

Lucknow
C-3, Nirala Nagar
PIN – 226020
T: +91-522-4005091

Patna
123 A, Patliputra Colony
PIN – 800013
T: +91-612-2270634